6 नन्हा बीज

पाठ के उद्देश्य
- बीज से पौधा बनने की प्रक्रिया का ज्ञान
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण
- भाषा-ज्ञान का विकास

एक था नन्हा-सा बीज। प्यारा-सा गुलाब का बीज। उसका घर ज़मीन के नीचे था। वहाँ बहुत अँधेरा था।

एक दिन बीज घर में अकेला था। अचानक दरवाज़े पर उसे एक आवाज़ सुनाई दी। खट-खट-खट।

बीज ने पूछा–"कौन है बाहर?"

बाहर से एक प्यारी-सी मधुर आवाज़ आई–"मैं बारिश की एक बूँद हूँ। दरवाज़ा खोलो, मैं अंदर आना चाहती हूँ।"

बूँद की आवाज़ सुनकर नन्हा बीज डर गया। वह डरते-डरते बोला–"नहीं, नहीं तुम अंदर नहीं आ सकतीं।" परंतु बारिश की बूँद नहीं मानी। वह खिड़की से झाँककर बोली–"अरे, दरवाज़ा तो खोलो। हम खूब सारी प्यारी-प्यारी बातें करेंगे।"

अध्यापन संकेत : बच्चों को बताएँ कि बीज से पौधा कैसे बनता है? बीज से पौधा बनने के लिए उसे पानी और सूरज की रोशनी की ज़रूरत होती है। बीज में सबसे पहले अंकुर निकलता है। अंकुर से पौधा बनता है और पौधे से पेड़।

Scanned with CamScanner

बीज ने फिर कहा–"नहीं, नहीं मुझे डर लगता है। मैं तुम्हें अंदर नहीं बुला सकता।"

बारिश की बूँद थक-हारकर चुप हो गई। अब चारों ओर चुप्पी थी। धीरे-धीरे रात बीती। सुबह हुई। फिर नन्हे बीज के कानों में एक मीठी आवाज़ गूँजी। खट-खट-खट। "दरवाज़ा खोलो, मैं सूरज की किरण हूँ। मैं तुम्हें प्रकाश देना चाहती हूँ।"

नन्हा बीज डर गया। बोला–"नहीं-नहीं तुम अंदर नहीं आ सकतीं।"

कुछ देर बाद बीज को हर तरफ़ टप-टप, खट-खट की आवाज़ सुनाई देने लगी। वह परेशान हो गया। उसने परदा हटाकर खिड़की से देखा। बारिश की बूँद और सूरज की किरण अंदर आने के लिए व्याकुल हो रही थीं। वे अंदर आना चाहती थीं।

बूँद और किरण एक साथ बोलीं–"दरवाज़ा खोलो, हमें अंदर आने दो। हम तुम्हें बाहरी दुनिया में ले जाकर नया रूप देना चाहती हैं।"

Scanned with CamScanner

नन्हे बीज ने सुना था कि बाहरी दुनिया बहुत खूबसूरत है। उसका मन ललचा उठा और उसने दरवाज़ा खोल दिया।

जैसे ही नन्हे बीज ने थोड़ा-सा दरवाज़ा खोला, वे दोनों अंदर आ गईं। अंदर आते ही दोनों ने नन्हे बीज को अपने नन्हे-नन्हे हाथों में उठा लिया। अब उसका डर छू-मंतर हो गया। फिर वे उसे शीघ्रता से धरती पर ले आईं। अब उसका रूप ही बदल गया।

और.... और.... अरे, यह क्या! इतना सुंदर बगीचा! चारों ओर सुंदर-सुंदर, प्यारे-प्यारे फूल। रंग-बिरंगे, लाल, गुलाबी और पीले-पीले निराले फूल। उसने चारों ओर देखा। सभी फूल उसके आने से प्रसन्न थे। मानों उसका स्वागत कर रहे हों!

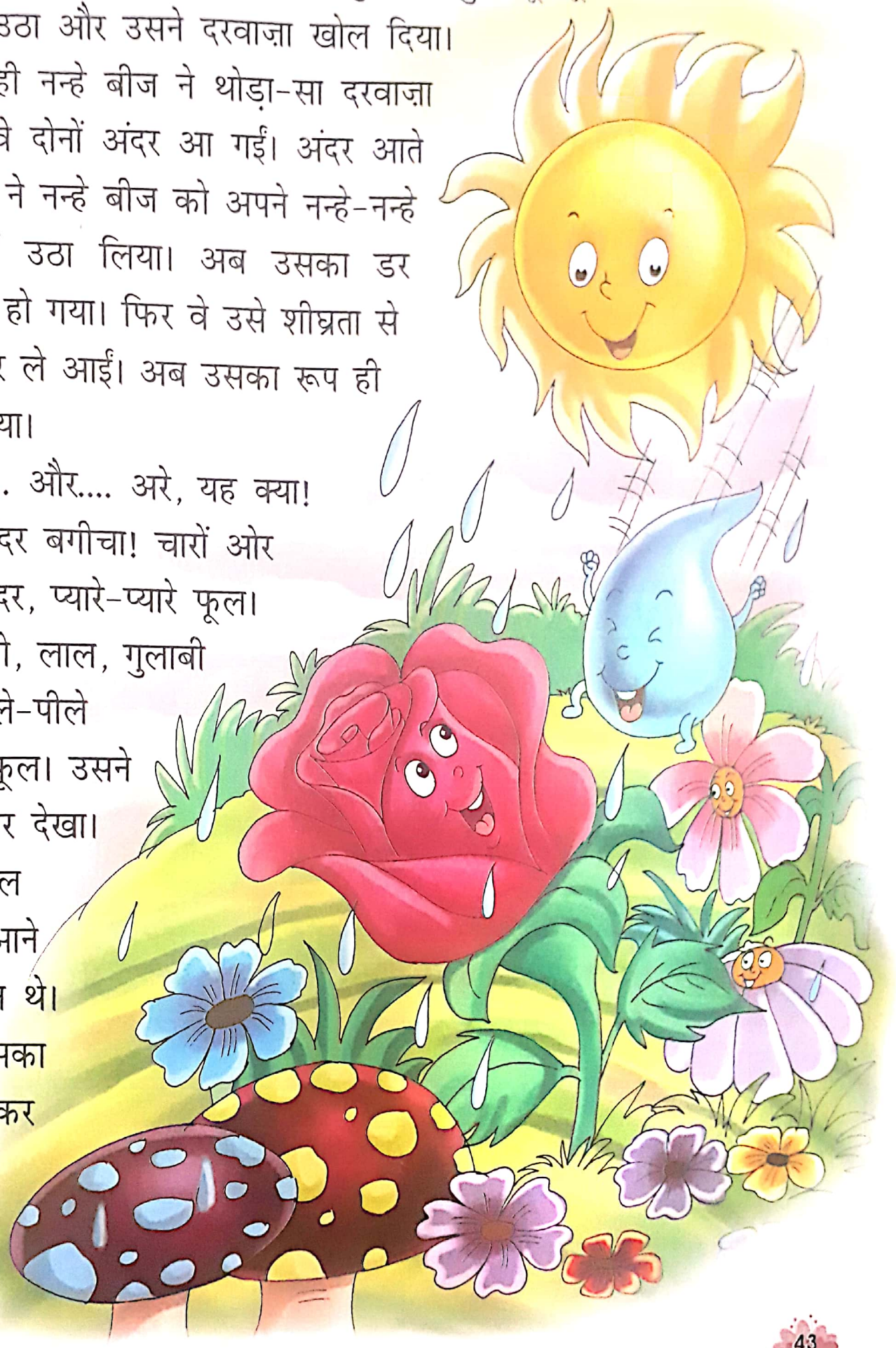

Scanned with CamScanner

नए शब्द

मधुर – मीठी
बारिश – बरसात
प्रकाश – रोशनी
व्याकुल – बेचैन
दुनिया – संसार
खूबसूरत – सुंदर
छू-मंतर – गायब होना
रूप – शक्ल, चेहरा
धरती – ज़मीन
निराले – अनोखे

अभ्यास

श्रुतलेख

Listening and Writing Skills

अँधेरा	मधुर	खिड़की	झाँककर	शीघ्रता	प्रकाश
चुप्पी	परेशान	व्याकुल	बूँद	प्रसन्न	स्वागत

पाठ की बात

Comprehension Skills

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मौखिक

(क) नन्हे बीज का घर कहाँ था?

(ख) सूरज की किरण नन्हे बीज को क्या देना चाहती थी?

लिखित

(क) खिड़की से झाँककर बारिश की बूँद ने क्या कहा?

_____

_____

(ख) नन्हे बीज के मन में क्या लालच आ गया?

_____

_____

Scanned with CamScanner

(ग) बारिश की बूँद और सूरज की किरण ने अंदर आकर क्या किया?

(घ) नन्हे बीज ने धरती पर आकर क्या देखा?

2. सही वाक्य पर (✓) और गलत पर (×) लगाइए।

(क) बूँद की आवाज़ सुनकर नन्हा बीज डर गया। ◯

(ख) सूरज की किरण की आवाज़ सुनकर नन्हे बीज ने दरवाज़ा खोल दिया। ◯

(ग) नन्हा बीज धरती पर आकर दुखी था। ◯

(घ) सभी फूल धरती पर नन्हे बीज के आने से प्रसन्न थे। ◯

(ङ) बगीचे में तरह-तरह के सुंदर फूल थे। ◯

भाषा की बात Language and Vocabulary Skills

1. पाठ में से अनुस्वार (ं) और चंद्रबिंदु (ँ) वाले शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

(ं) अनुस्वारवाले शब्द	(ँ) चंद्रबिंदुवाले शब्द
रंग	बूँद

Scanned with CamScanner

2. विलोम शब्द लिखिए।

नीचे × ऊपर

अंदर × _____

प्रसन्न × _____

दिन × _____

धरती × _____

मीठी × _____

3. पाठ में से ढूँढ़कर इनके एक-एक नाम और लिखिए।

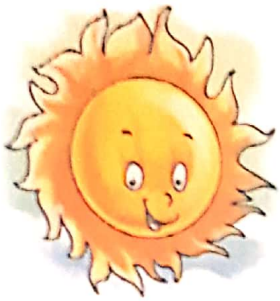

सूर्य सूरज

वर्षा _____

पुष्प _____

उपवन _____

4. नामवाले शब्दों पर (✓) का निशान लगाइए।

✓ सूरज	◯ देना	◯ किरण	◯ थकना
◯ दरवाज़ा	◯ वह	◯ मुझे	◯ खिड़की
◯ डरना	◯ फूल	◯ खोलना	◯ घर

Scanned with CamScanner

मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills

1. पौधे को उगने के लिए किन-किन चीज़ों की ज़रूरत होती है?
2. कई बार हम डर के कारण आगे नहीं बढ़ पाते? क्या ऐसा करना ठीक है?

सोच-समझ की बात

Thinking and Speaking Skills

- अगर नन्हा बीज दरवाज़ा नहीं खोलता तो क्या होता? क्या वह धरती पर आ पाता? सोचकर बताइए।

कुछ करने की बात

Creative and Logical Skills

1. दो गमलों में अच्छी तरह से मिट्टी भरकर उसे पानी से गीला कर लीजिए। फिर उसमें किसी फूल के बीज डाल दीजिए। एक गमले को धूप में रखिए तथा दूसरे गमले को अँधेरे कमरे में जहाँ सूरज की रोशनी न पहुँचे। अब धूप में रखे गमले में रोज़ थोड़ा-थोड़ा पानी देते रहिए। अँधेरे कमरे में रखे गमले में पानी मत डालिए। कुछ दिन बाद ध्यान से देखिए दोनों में क्या अंतर आता है?

2. नीचे दिए गद्यांश को पढ़िए और सही उत्तर चुनकर (✓) लगाइए।

एक किसान था। एक दिन उसने एक बीज बोया। वह जादुई बीज था। अगले दिन जब किसान उठा तो उसने देखा कि वह बीज एक जादुई पेड़ में बदल गया है। उस पेड़ पर बहुत से खिलौने उग आए हैं। किसान बहुत खुश हुआ। उसने सारे खिलौने छोटे-छोटे बच्चों को दे दिए।

(क) किसान ने किसका बीज बोया था?

◯ गुलाब ◯ फली ◯ जादुई ◯ फल

(ख) पेड़ पर क्या उग आए?

◯ फूल ◯ खिलौने ◯ पत्तियाँ ◯ गुब्बारे

Scanned with CamScanner

(ग) किसान ने खिलौने किसे दे दिए?

- ◯ अपने मित्रों को
- ◯ अपने पड़ोसियों को
- ◯ छोटे-छोटे बच्चों को

3. बीज के जन्म की कहानी के अनुसार चित्रों पर सही क्रम लिखिए।

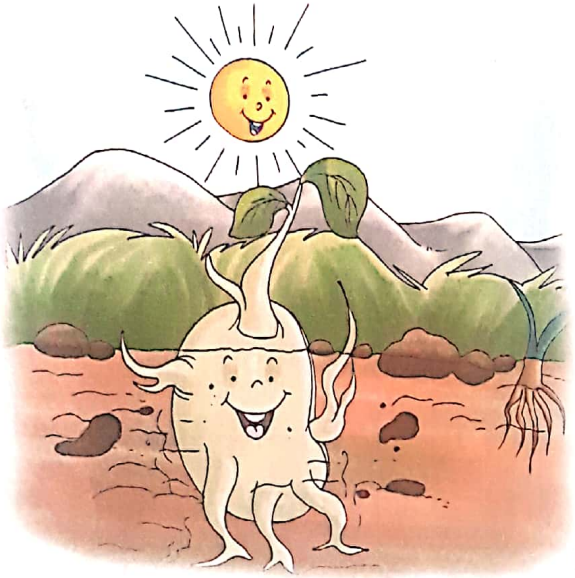

◯

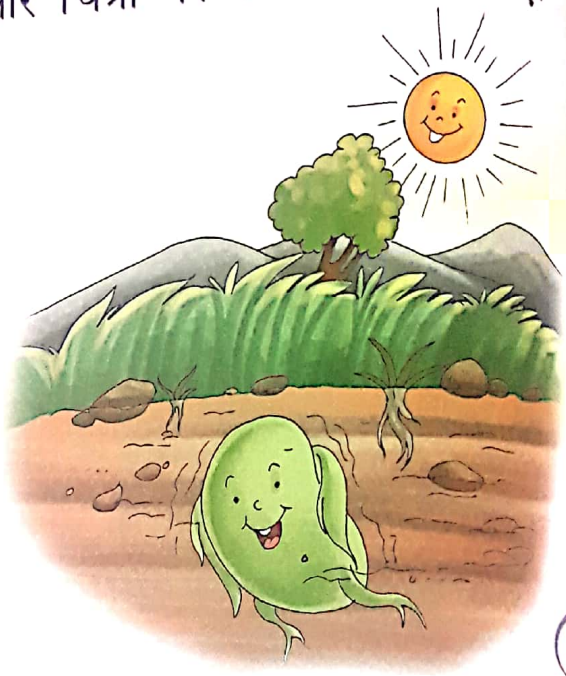

◯

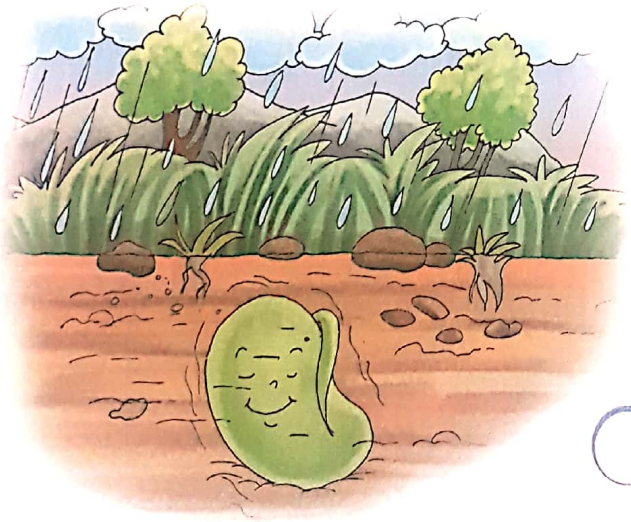

◯

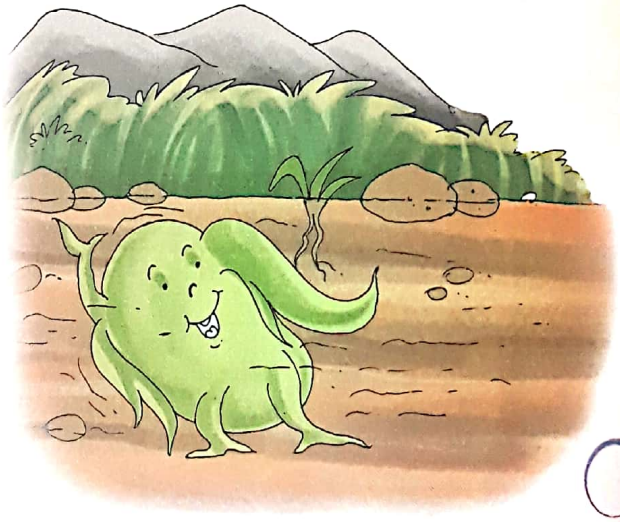

◯

Scanned with CamScanner